नई शिक्षा नीति पर आधारित

व्याकरण वाटिका

Teacher's Manual

Class VI

Written by :
Author's Team
(Vidyalaya Prakashan)

KANHA BOOKS INTERNATIONAL
New Delhi

Sales Office :

C-24, JWALA NAGAR, T.P. NAGAR, MEERUT.

Ph. No. : 2400630, 8899271392

Head Office :

A-102, CHANDAR VIHAR, DELHI-92

e-mail : vidyalayaprakashan@yahoo.co.in

www.vidyalayaprakashan.in

● Bhopal ● Lucknow ● Mumbai ● Jaipur
● Chandigarh ● Ahemdabad ● Dehradun

1. भाषा, लिपि तथा व्याकरण

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए :-

क.	भाषा	ख.	हिंदी
ग.	22	घ.	देवनागरी

2. रिक्त स्थान भरिए :-

क.	मौखिक	ख.	हिंदी
ग.	बोली	घ.	गुरुमुखी
ङ.	व्याकरण		

3. निम्नलिखित में भाषा का कौन-सा रूप प्रयुक्त हुआ है?

क.	मोबाइल फोन पर बात करना	मौखिक रूप
ख.	अखबार पढ़कर खबरें सुनाना	मौखिक रूप
ग.	डायरी लिखना	लिखित रूप
घ.	कहानी सुनाना	मौखिक रूप
ङ.	अध्यापक द्वारा पाठ पढ़कर समझाना	मौखिक रूप

4. उचित मिलान कीजिए :-

	अ	**ब**
क.	हिंदी	देवनागरी
ख.	हिमाचली	बोली
ग.	भाषा का एक रूप	मौखिक
घ.	उर्दू	फारसी

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-**

क. भाषा वह माध्यम है, जिसके द्‌वारा मनुष्य अपने मन के भावों तथा विचारों को बोलकर व लिखकर दूसरों के सामने प्रकट करता है तथा इसी प्रकार दूसरों के भावों और विचारों को जानता है।

ख. भाषा के दो रूप होते हैं:-

1. मौखिक भाषा   2. लिखित भाषा

ग. 1. बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप है।

2. बोली का लिखित रूप नहीं होता।

3. बोली का प्रयोग सरकारी काम-काज में नहीं किया जा सकता।

1. भाषा का रूप विस्तृत होता है।

2. भाषा में साहित्य रचना की जाती है।

3. भाषा का प्रयोग सरकारी काम-काज में किया जाता है।

घ. प्रत्येक भाषा को लिखने के लिए कुछ चिह्न निश्चित होते हैं। इन चिह्नों के लिखने के तरीके या विधि को 'लिपि' कहा जाता है।

ङ. व्याकरण वह शास्त्र है, जिसके द्वारा हम किसी भी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना, लिखना तथा पढ़ना सीखते हैं।

व्याकरण के चार अंग निम्नलिखित हैंः-1. वर्ण व्यवस्था, 2. शब्द व्यवस्था, 3. पद व्यवस्था 4. वाक्य व्यवस्था।

च. 1. व्याकरण के द्वारा भाषा के स्वरूप की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

2. व्याकरण के द्वारा भाषा के शुद्ध और अशुद्ध रूपों की पहचान होती है।

3. व्याकरण के द्वारा भाषा का मानक प्रयोग सीखा जाता है। व्याकरण-सम्मत मानक रूप को ही भाषा का शुद्ध रूप माना जाता है।

2. वर्ण-विचार

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. वर्ण | ख. 11

ग. अनुनासिक का | घ. क् + ष

2. नीचे दिए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिएः-

क. ज + अ + ल् + ए + ब् + ई

ख. अ + ध् + य् + आ + प् + इ + क् + आ

ग. अँ + ग् + ऊ + ठ् + ई

घ. क् + आ + य् + र् + आ + ल् + अ + य् + अ

ङ. य् + उ + द् + ध् + अ

3. **नीचे दिए गए संयुक्त व्यंजनों, संयुक्त अक्षरों और द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइएः-**

क.	श्रम	श्रमिक	ख.	बिल्ली	हल्ला
ग.	त्रिशूल	पत्र	घ.	सत्य	मृत्यु
ङ.	यज्ञ	प्रतिज्ञा	च.	स्तंभ	स्तुति
छ.	परिश्रम	आश्रित	ज.	अम्मा	सम्मेलन
झ.	पट्टी	खट्टा	ञ.	क्यारी	क्या

4. **नीचे दिए शब्दों में यथास्थान अनुस्वार या चंद्रबिंदु लगाइएः-**

क.	कंठ	ख.	दाँत	ग.	मंजन
घ.	साँप	ङ.	आँगन	च.	कांसा
छ.	अंतिम	ज.	अंधेरा	झ.	संतरा
ञ.	चाँदनी				

5. **'र' के इन रूपों से बनने वाले तीन-तीन शब्द लिखिएः-**

क.	कर्म	धर्म	गर्व
ख.	क्रम	प्रथा	प्रकाश
ग.	ट्रक	ट्रंक	ट्रेन

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है, जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते। वर्ण वे चिह्न हैं, जो हमारे मुख से निकली ध्वनियों को लिखित रूप देते हैं; जैसे :-भगवान (भ् + अ + ग् + अ + व् + आ + न् + अ)

वर्ण के दो भेद होते हैंः- 1. स्वर, 2. व्यंजन

ख. 1. जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।

2. ये संख्या में चार हैंः- अ, इ, उ और ऋ।

1. जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर की अपेक्षा दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।

2. दीर्घ स्वर संख्या में सात हैंः-आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

ग. जिन वर्णों का उच्चारण करने के लिए स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, वे व्यंजन कहलाते हैं; जैसेः-क, ख, ग, इत्यादि।

व्यंजन के भेदः-व्यंजन के तीन भेद होते हैंः-

1. स्पर्श व्यंजन
2. अंतःस्थ व्यंजन
3. ऊष्म व्यंजन

घ. जब दो अलग-अलग व्यंजन ध्वनियाँ आपस में मिलती हैं, तब वे संयुक्त व्यंजन कहलाती हैं। यह संख्या में चार होते हैंः- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र।

उदाहरणः-कक्षा, पुत्र, ज्ञानी, श्रम आदि।

ड. अनुस्वार (ं) ध्वनि के पाँच शब्द - पंख, रंग, चंचल, पतंग, अंग।

अनुनासिक (ँ) ध्वनि के पाँच शब्द - आँख, साँप, चाँदनी, आँगन, हँसना।

3. शब्द-विचार

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए :-

क. शब्द　　ख. तद्भव शब्द

ग. दो　　घ. यौगिक शब्द

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :-

क. सार्थक　　ख. निरर्थक शब्द

ग. पद　　घ. अविकारी

3. **निम्नलिखित शब्द रूप, यौगिक योगरूढ़ शब्द हैं, लिखिएः-**

पुस्तक- रूढ़	पीतांबर - योगरूढ़	पुस्तकालय - यौगिक
सुंदरता - रूढ़	जलज - योगरूढ़	तोता - रूढ़
राष्ट्रपति - यौगिक	सोना - रूढ़	चारपाई - योगरूढ़
गाड़ी - रूढ़	पंकज - योगरूढ़	चौमासा - योगरूढ़
अपमान - यौगिक	लंबोदर - योगरूढ़	गाड़ी - रूढ़

4. **निम्नलिखित तत्सम शब्दों तद्भव रूप लिखिएः-**

आम्र - आम	वानर - बंदर	कृषक - किसान
घृत - घी	चंद्र - चाँद	सूर्य - सूरज
हस्त - हाथ	दुग्ध - दूध	प्रस्तर - पत्थर
अग्नि - आग	ग्राम - गाँव	अर्ध - आधा
गृह - घर	क्षेत्र - खेत	रात्रि - रात

5. **निम्नलिखित शब्दों के रूप पहचानकर उनके सामने देशज अथवा विदेशी शब्द लिखिएः-**

डिबिया - देशज	गड़बड़ - देशज
लाश - विदेशी	अस्पताल - विदेशी
पिस्तौल - विदेशी	सितार - विदेशी
खिचड़ी - देशज	जूता - देशज
डॉक्टर - विदेशी	खिड़की - देशज

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. वर्णों का ऐसा समूह जिसका निश्चित अर्थ होता है, उसे शब्द कहते हैं। उदाहरणः- पहाड़, तोता, व्यक्ति, आदि।

ख. जब शब्द कारक चिह्नों के साथ आपस में जुड़ जाते हैं, तब वे पद कहलाते हैं।

ग. शब्दों का वर्गीकरण निम्नलिखित चार आधारों पर किया जाता हैः-

1. स्त्रोत या उत्पत्ति के आधार पर

2. रचना या बनावट के आधार

3. प्रयोग के आधार पर

4. अर्थ के आधार पर

घ. 1. जिन शब्दों के कुछ-न-कुछ अर्थ अवश्य हों, उन्हें सार्थक शब्द कहते हैं। उदाहरण-तकिया, तरबूज, स्कूटर, विद्यालय आदि।

जिन शब्दों का कोई अर्थ प्रकट नहीं होता, उन्हें निरर्थक शब्द कहते हैं। उदाहरण - नीपा, टनाक, जनावर, आदि।

ड. 1. वाक्य में प्रयोग करते समय जिन शब्दों के रूप, लिंग, वचन और कारक के अनुसार बदल जाते हैं, विकारी शब्द कहलाते हैं।

ये चार प्रकार के होते हैंः-संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण, क्रिया।

2. जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन और कारक के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

ये चार प्रकार के होते हैंः- क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक

च. अर्थ के आधार पर सार्थक शब्द निम्नलिखित छः प्रकार के होते हैंः-

1. पर्यायवाची शब्द
2. विलोम शब्द
3. एकार्थी शब्द
4. अनेकार्थी शब्द
5. वाक्यांश के लिए एक शब्द
6. समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

4. शब्द-निर्माण (उपसर्ग और प्रत्यय)

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. सु   ख. परि + चय

ग. ईय　　　　घ. धातु में

ड. पशु

2. नीचे दिए गए उपसर्ग जोड़कर दो-दो शब्द बनाइए -

प्रति	- प्रत्येक, प्रतिकूल	स	- सतह, सपरिवार
अति	- अत्याचार, अतिरिक्त	वि	- विशेष, विजय
निर्	- निर्धन, निर्दोष	अध	- अधमरा, अधखिला
बे	- बेकार, बेईमान	कु	- कुपुत्र, कुरूप
ला	- लाचार, लाजवाब	स्व	- स्वराज, स्वचालित

3. नीचे दिए गए प्रत्ययों से दो-दो शब्द बनाइए -

ता	- मित्रता, पशुता	ईला	- रंगीला, रसीला
त्व	- महत्व, पशुत्व	आई	- चढ़ाई, मिठाई
पन	- लड़कपन, पागलपन	इक	- धार्मिक, सामाजिक
गर	- जादूगर, सौदागर	ई	- ऊपरी, बाहरी

4. नीचे दिए शब्दों में मूलशब्द तथा उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए -

		मूल शब्द	उपसर्ग/प्रत्यय
अधमरा	-	मरा	अध - उपसर्ग
सहकर्मी	-	कर्म	सह - उपसर्ग, ई - प्रत्यय
जमींदार	-	जमीं	दार - प्रत्यय
अवनति	-	नति	अव - उपसर्ग
अज्ञान	-	ज्ञान	अ- उपसर्ग
निर्बलता	-	बल	निर् - उपसर्ग ता-प्रत्यय
गैरधार्मिक	-	धर्म	गैर - उपसर्ग,इक-प्रत्यय
प्रकाश	-	काश	प्र - उपसर्ग
निश्चल	-	चल	निः - उपसर्ग
निडर	-	डर	नि - उपसर्ग
कुकर्म	-	कर्म	कु - उपसर्ग
घबराहट	-	घबरा	आहट - प्रत्यय

5. **निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग या प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइएः-**

उम्र	- ता + उम्र	- ताउम्र
कार	- उप + कार	- उपकार
बाल	- बाल + पन	- बालपन
दिन	- प्रति + दिन	- प्रतिदिन
मुख	- मुख + इक	- मौखिक
मिल	- मिल + आप	- मिलाप
मीठा	- मीठा + आस	- मिठास
हार	- प्र + हार	- प्रहार
बूढ़ा	- बुढ़ा + आपा	- बुढ़ापा
नसीब	- खुश + नसीब	- खुशनसीब
पेट	- पेट + ऊ	- पेटू
धर्म	- अ + धर्म	- अधर्म

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. जो शब्दांश किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते हैं, वे उपसर्ग कहलाते हैं। उदाहरणः-उपचार, आजीवन, कुपोषण, खुशनसीब आदि।

ख. जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। उदाहरण-मिलाप, पालनहार, गुणवान, लेखक आदि।

5. संधि

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. सदा + एव

ख. महेश

ग. यदि + अपि

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-**

क. स्वर, व्यंजन और विसर्ग

ख. संधि

ग. संधि विच्छेद

3. **नीचे दिए शब्दों की संधि कीजिए -**

निः + कपट	- निष्कपट	उत् + लेख	- उल्लेख
भाव + अर्थ	- भावार्थ	परम + ईश्वर	- परमेश्वर
मुनि + इंद्र	- मुनींद्र	एक + एक	- एकैक
सत् + मार्ग	- सन्मार्ग	अल्प + आहार	- अल्पाहार
महा + उत्सव	- महोत्सव	दिक् + गज	- दिग्गज
विद्या + अर्थी	- विद्यार्थी	जल + उर्मी	- जलोर्मि
वीर + उचित	- वीरोचित	रजनी + ईश	- रजनीश
बहिः + मुख	- बहिर्मुख	दुः + कर्म	- दुष्कर्म
गण + ईश	- गणेश	सीमा + अंत	- सीमांत

4. **संधि-विच्छेद कीजिए:-**

सुक्ति - सु + उक्ति	दयानंद - दया + आनंद
तथैव - तथा + एव	सत्यार्थी - सत्य + अर्थी
महौषधि - महा + औषधि	परमात्मा - परम + आत्मा
भाग्योदय - भाग्य + उदय	चराचर - चर + अचर
जगदीश - जगत् + ईश	निष्पक्ष - निः + पक्ष
संवाद - सम् + वाद	महेंद्र - महा + इंद्र
निर्गुण - निः + गुण	स्वागत - सु + आगत
निष्पक्ष - निः + पक्ष	सदाचार - सत् + अचार

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-**

क. दो वर्णों के परस्पर मेल से जो परिवर्तन होता है, उसे संधि

कहते हैं। संधि के तीन भेद हैं:-

1. स्वर संधि 2. व्यंजन संधि 3. विसर्ग संधि

ख. दो वर्णों के मेल से बने नए शब्दों अर्थात संधि किए गए शब्दों को अलग-अलग करके लिखने की विधि को संधि-विच्छेद कहते हैं। उदाहरण :-

विद्यालय	- विद्या **+** आलय	सज्जन	- सत् **+** जन
पावन	- पौ **+** अन	स्वागत	- सु **+** आगत

6. समास

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. समस्तपद

ख. समास-विग्रह

ग. भारत का रत्न

घ. जलमग्न

ड. द्विगु समास

2. निम्नलिखित समास-विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम बताइए:-

घोड़े पर सवार	- घुड़सवार	तत्पुरुष समास
रेखा द्वारा अंकित	- रेखांकित	तत्पुरुष समास
कमल के समान चरण	- चरणकमल	कर्मधारय समास
मतलब के बिना	- बेमतलब	अव्ययीभाव समास
संदेह के बिना	- निस्संदेह	अव्ययीभाव समास
जन्म से अंधा	- जन्मांध	तत्पुरुष समास
चार रास्तों का समाहार	- चौराहा	द्विगु समास
चर और अचर	- चराचर	द्वंद्व समास
पाप या पुण्य	- पाप-पुण्य	द्वंद्व समास
दस सिर हैं जिसके	- दशानन	बहुब्रीहि समास
विष को धारण करने वाला	- विषधारक	बहुब्रीहि समास
राजा का महल	- राजमहल	तत्पुरुष समास

3. **निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिएः-**

समस्तपद		**समास विग्रह**
हथकड़ी	-	हाथ की कड़ी, तत्पुरुष समास
अभाव	-	बिना भाव का, अव्ययीभाव समास
प्रतिदिन	-	हर दिन, अव्ययीभाव समास
राजसभा	-	राजा की सभा, तत्पुरुष समास
राधा-कृष्ण	-	राधा और कृष्ण, द्वंद्व समास
पराधीन	-	पर (दूसरों) के अधीन, तत्पुरुष समास
शिक्षालय	-	शिक्षा के लिए आलय, तत्पुरूष समास
नीलांबर	-	नीला है अंबर जो, कर्मधारय समास
यथाशक्ति	-	शक्ति के अनुसार, अव्ययीभाव समास
गजानन	-	गज के समान आनन अर्थात गणेश,बहुब्रीहि समास
त्रिनेत्र	-	तीन हैं नेत्र जिसके अर्थात शिव, बहुब्रीहि समास
चरणकमल	-	कमल के समान चरण, कर्मधारय समास

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**

क. समास शब्द का अर्थ है 'संक्षिप्त करने की विधि'। परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर एक संक्षिप्त या सार्थक शब्द बनने को समास कहते हैं।

समास के छः भेद होते हैंः-

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वंद्व समास
6. बहुब्रीहि समास

ख. जब दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं, तो वह समस्तपद कहलाते हैं।

उदाहरण - विद्या का आलय = विद्यालय

पेट भरकर = भरपेट, आदि।

ग. तत्पुरुष समास छः प्रकार के होते हैंः-

1.	कर्म तत्पुरुष समास	2.	करण तत्पुरुष समास
3.	संप्रदान तत्पुरुष समास	4.	अपादान तत्पुरुष समास
5.	संबंध तत्पुरुष समास	6.	अधिकरण तत्पुरुष समास

घ. द्विगु समासः-जिस समस्त पद का पहला पद संख्यावाची विशेषण हो, उसे द्विगु समास कहते हैं।

द्वंद्व समासः-जिन समस्त पद के दोनों पद प्रधान हों तथा विग्रह करने पर योजक शब्द (और, या, अथवा) लगते हों, उसे द्वंद्व समास कहते हैं।

ड. बहुब्रीहि समासः-जिस समास के दोनों पदों में से कोई भी पद प्रधान न हो, अपितु तीसरा ही पद प्रधान हो अर्थात् समस्त पद कोई अन्य ही अर्थ बतलाता हो, उसे बहुब्रीहि समास कहते हैं।

कर्मधारय समासः-जिस सामासिक शब्द का उत्तर (दूसरा) पद प्रधान हो तथा पूर्वपद और उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध हो, वह कर्मधारय समास कहलाता है।

7. संज्ञा

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए -

क.	तीन	ख.	व्यक्तिवाचक संज्ञा
ग.	भाववाचक संज्ञा	घ.	यौवन
ड.	जातिवाचक संज्ञा		

2. नीचे दी गई संज्ञाओं को चुनकर उनके सही वर्ग में लिखिएः-

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
इंदिरा, चेतक	पुस्तकालय	बुढ़ापा
ऑस्ट्रेलिया, शिवाजी	गाँव	कठिनाई
गोमती, रामेश्वरम	झूला	बचपन
टमाटर, इंग्लैंड	कुर्सी	मोटापा
जनवरी, हिमालय	कछुआ	अमीरी, क्रोध

3. नीचे दिए गए शब्दों से भवावाचक संज्ञा बनाइए -

अपना - अपनापन, अपनत्व	मिलना- मिलावट
बच्चा - बचपन	सुंदर - सुंदरता
देव - देवत्व	पढ़ना - पढ़ाई
अहं - अहंकार	कायर - कायरता
स्त्री - स्त्रीत्व	ईश्वर - ऐश्वर्य
नौकरी - नौकरी	सर्व - सर्वस्व
भला - भलाई	हरा - हरियाली
स्वस्थ - स्वास्थ्य	सुंदर - सुंदरता

4. निम्नलिखित वाक्यों में संज्ञा शब्द छाँटकर उसका भेद भी बताइए -

	संज्ञा	**भेद**
क.	गंगा, पानी	व्यक्तिवाचक संज्ञा, द्रव्यवाचक संज्ञा
ख.	अजय, अमित, रामायण	व्यक्तिवाचक संज्ञा
ग.	पनीर, दूध	द्रव्यवाचक संज्ञा
घ.	बुराई	भाववाचक संज्ञा
ड.	ग्वाला, गायों का झुंड	जातिवाचक संज्ञा, समूहवाचक संज्ञा
च.	आम, मिठास	जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

क. किसी व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान, गुण या भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के मुख्य तीन भेद हैंः- 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा,

2. जातिवाचक संज्ञा, 3. भाववाचक संज्ञा

ख. 1. व्यक्तिवाचक संज्ञाः-जिस संज्ञा शब्द से किसी विशेष व्यक्ति, प्राणी, वस्तु अथवा स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसेः-नरेंद्र मोदी, हवा महल, हिमालय, गंगा, दीपावली आदि।

2. जातिवाचक संज्ञाः-जिस संज्ञा शब्द से किसी वर्ग के सभी प्राणियों, वस्तुओं या स्थानों अर्थात उसकी संपूर्ण जाति का बोध हो उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं; जैसेः-मनुष्य, लड़का, लड़की, नारी, नदी, नगर, पर्वत, गाँव, पशु, पक्षी, कुत्ता, गाय, घोड़ा भैंस, बकरी आदि।

8. लिंग

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. जीभ   ख. कवयित्री   ग. नदी

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः-

क. गायिका   ख. युवती

ग. प्राचार्य   घ. गुणवती

ङ. हलवाइन

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलिएः-

ब्राह्मण	- ब्राह्मणी	अध्यापक	- अध्यापिका
देवर	- देवरानी	वृद्ध	- वृद्धा
पुरूष	- स्त्री	सम्राट	- सम्राज्ञी
वर	- वधू	बादशाह	- बेगम
श्रीमान	- श्रीमती	भगवान	- भगवती

4. रंगीन शब्दों का लिंग बदलकर वाक्यों को दुबारा लिखिएः-

क. पाठिका को यह पुस्तक अच्छी लगी।

ख. धोबिन ने सारे कपड़े धो दिए।

ग. शिष्य ने कविता सुनाई।

घ. नौकरानी घर की साफ-सफाई कर रही है।

ङ. हमारा पड़ोसी पहाड़ों पर घूमने गया।

च. बूढ़े ने सड़क पार कर ली।

छ. हथिनी नदी में नहा रही है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

क. शब्द के जिस रूप से पुरुष अथवा स्त्री जाति का बोध होता है, वह लिंग कहलाता है।

ख. लिंग के दो भेद होते हैंः-1. पुल्लिग, 2. स्त्रीलिंग

ग. 1. पुल्लिग :- जिस संज्ञा शब्द से पुरुष जाति का बोध हो, उसे पुल्लिग कहते हैं; जैसेः-लड़का, पिता, भाई, चाचा, सिंह, कुत्ता, घोड़ा आदि।

2. स्त्रीलिंग :- जिस संज्ञा शब्द से स्त्री जाति का बोध हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं; जैसेः-लड़की, माता, बहन, चाची सिंहनी, कुतिया, घोड़ा आदि।

9. वचन

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. दो   ख. बहुवचन   ग. आग

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के लिंग बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः-

क. कविताएँ   ख. पुस्तकें   ग. नदियाँ

घ. सखियाँ   ड. छात्राएँ

3. एकवचन वाक्यों को बहुवचन में बदलिए -

क. नेहा ने कमीज़ें खरीदीं।

ख. पिता जी ने पुत्र को चिट्ठियाँ लिखीं।

ग. हमारी अध्यापिकाएँ आ रही हैं।

घ. माँ ने दवाइयाँ मँगवाईं।

ड. आकाश में तारे चमक रहे हैं।

4. नीचे लिखे एकवचन शब्दों के बहुवचन रूप लिखिएः-

सड़क - सड़कें   कुत्ता - कुत्ते

अध्यापक - अध्यापकवृंद	नीति - नीतियाँ
परीक्षा - परीक्षाएँ	मित्र - मित्र
महिला- महिलाएँ	वस्तु - वस्तुएँ
औरत - औरतें	डिबिया - डिबियाँ
गुरु - गुरुजन	गाय - गायें
आँख - आँखें	पुस्तक- पुस्तकें

5. **वचन की अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य फिर से लिखिएः-**

क. पुस्तकालय में बहुत-सी पुस्तकें हैं।

ख. सभी छात्रों को छुट्टियाँ चाहिए।

ग. गाय घास चर रही है।

घ. राम प्रकाश का बेटा आया है।

ड. नदियों का जल सूखने लगा है।

च. कमरे की दीवारें गंदी हैं।

छ. हमारे विद्यालय में चालीस अध्यापिकाएँ हैं।

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक या अनेक होने का बोध हो, उसे वचन कहते हैं।

वचन के दो भेद हैंः-1. एकवचन, 2. बहुवचन।

ख. शब्द के जिस रूप से एक ही वस्तु/व्यक्ति का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं।

ग. शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं/व्यक्तियों का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं।

घ. भीड़, दल, जनता, लोहा, पानी।

ड. आँसू, केश, प्राण, दर्शन हस्ताक्षर।

10. कारक

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. करण कारक है — ख. संप्रदान कारक

ग. कर्ता कारक है — घ. अधिकरण कारक है

ड. करण कारक है

2. **रिक्त स्थान भरिएः-**

क. कर्म कारक — ख. के लिए, को

ग. कर्म — घ. से

3. **निम्नलिखित वाक्यों को उपयुक्त कारक-चिह्न का प्रयोग कर पूर्ण कीजिएः-**

क. ने — ख. को — ग. को

घ. से — ड. की, का

4. **निम्नलिखित वाक्यों में आए विभक्ति चिह्न छाँटकर उसका भेद भी लिखिएः-**

	विभक्ति चिह्न	**कारक भेद**
क.	ने	कर्ता कारक
ख.	से	करण कारक
ग.	पर	अधिकरण कारक
घ.	का	संबंध कारक
ड.	ने	कर्ता कारक
च.	अरे	संबोधन कारक
छ.	पर	अधिकरण कारक
ज.	के लिए	संप्रदान कारक
झ.	से	अपादान कारक

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. जो शब्द वाक्य में क्रिया का संज्ञा और सर्वनाम शब्दों के साथ

संबंध बताएँ, उसे कारक कहते हैं।

कारक के आठ भेद होते हैं। इनके नाम निम्नलिखित हैं:-

1. कर्ता कारक	2. कर्म कारक
3. करण कारक	4. संप्रदान कारक
5. अपादान कारक	6. संबंध कारक
7. अधिकरण कारक	8. संबोधन कारक

ख. कर्म कारकः-क्रिया के कार्य का फल जिस पर पड़ता है, वह कर्म कारक कहलाता है। इसका विभक्ति चिह्न 'को' है।

संप्रदान कारकः-संज्ञा, सर्वनाम का वह रूप जिसे कुछ दिया जाए या जिसके लिए कोई कार्य किया जाए, उसे संप्रदान कारक कहते हैं। इसका विभक्ति चिह्न 'को, के लिए' है।

ग. करण कारक के दो उदाहरणः-

1. मैं बस से नानी के घर गया।
2. बालक बोतल से पानी पी रहा है।

अपादान कारक के दो उदाहरणः-

1. ट्रेन से बच्चा गिर गया।
2. पेड़ से पत्ते गिरते हैं।

11. सर्वनाम

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. निजवाचक सर्वनाम

ख. मध्यम पुरुषवाचक

ग. कोई

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित सर्वनाम शब्दों के द्वारा कीजिएः-

क. मैं	ख. उन्हें	ग. स्वयं
घ. कौन	ड. जिसकी	च. आप
छ. हम		

3. **निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित कर उसका भेद लिखिएः-**

	सर्वनाम	**भेद**
क.	यह	निश्चयवाचक सर्वनाम
ख.	कौन	प्रश्नवाचक सर्वनाम
ग.	वह	अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम
घ.	किसी	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
ड.	कोई	अनिश्चयवाचक सर्वनाम
च.	जिसको, वह	संबंधवाचक सर्वनाम

4. **निम्नलिखित वाक्यों में सही के आगे (✓) और गलत के आगे (✗) चिह्न लगाइएः-**

क. ✗ ख. ✗

ग. ✓ घ. ✓

ड. ✗

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

ख. सर्वनाम के छह भेद होते हैंः-पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम, अनिश्चयवाचक सर्वनाम, संबंधवाचक सर्वनाम, प्रश्नवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम।

ग. निश्चयवाचक सर्वनामः-जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु की ओर संकेत किया जाता है, उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसेः-यह, वह, वे।

अनिश्चयवाचक सर्वनामः-जिस सर्वनाम से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध हो, उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसेः-कोई, कुछ, किन्हीं, किसी आदि।

12. विशेषण

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

   क. बेइंसाफी   ख. दो मीटर कपड़ा

   ग. गुणवाचक विशेषण   घ. अनिश्चित परिमाणवाचक

2. **सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए :-**

   क. ✓   ख. ✗

   ग. ✗   घ. ✓

   ड. ✓

3. **नीचे दिए वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित कर उनके भेद लिखिए:-**

	विशेषण	**भेद**
क.	नटखट	गुणवाचक विशेषण
ख.	घोड़े	अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
ग.	रोचक	गुणवाचक विशेषण
घ.	मीठे व रसीले	गुणवाचक विशेषण
ड.	कम	अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
च.	वह	सार्वनामिक विशेषण

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण तथा विशेष्य को अलग कीजिए:-**

	विशेषण	**विशेष्य**
क.	कुछ	फूल
ख.	लाल	किले
ग.	मेधावी	बालक
घ.	बहुत-से	कवियों
ड.	दो लीटर	दूध

5. **निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइएः-**

इतिहास	-	ऐतिहासिक	गुण	-	गुणवान
दूध	-	दूधिया	नीचे	-	निचला
घृणा	-	घृणित	ऊपर	-	ऊपरी
विष	-	विषैला	धर्म	-	धार्मिक
भीतर	-	भीतरी	हर्ष	-	हर्षित
बंद	-	बंद	राष्ट्र	-	राष्ट्रीय
चमक	-	चमकीला	अंत	-	अंतिम
कीमत	-	कीमती	पालना	-	पालतू

6. **नीचे कुछ विशेष्य दिए गए हैं, उनके लिए उपयुक्त विशेषण लिखिएः-**

प्राचीन मंदिर	नीला आकाश
सुशील अध्यापक	गरम चाय
स्वादिष्ट भोजन	काला कौआ
नए कपड़े	घना जंगल

7. **निम्नलिखित शब्दों की उत्तरावस्था व उत्तमावस्था लिखिएः-**

	उत्तरावस्था	**उत्तमावस्था**
क.	निम्नतर	निम्नतम
ख.	लघुतर	लघुतम
ग.	सुंदरतर	सुंदरतम
घ.	श्रेष्ठतर	श्रेष्ठतम

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं। विशेषण के चार भेद होते हैंः-गुणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण।

ख. विशेषण द्वारा जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

उदाहरण :- छोटे बच्चे, काला घोड़ा, बड़ी इमारत।

ग. **संख्यावाचक विशेषण**

1. जो विशेषण शब्दों से विशेष्य की संख्या का ज्ञान हो, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।
2. संख्यावाचक विशेषण के दो भेद होते हैं:-(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण (ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण
3. उदाहरणः-चार, प्रथम, तीसरा, अनेक, कुछ आदि।

परिमाणवाचक विशेषण

1. जो विशेषण शब्द विशेष्य की मात्रा या परिमाण का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।
2. परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद हैं:-(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण (ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
3. उदाहरणः-पाँच किलो, दो मीटर, थोड़ा, कम, ज्यादा आदि।

घ. संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं जबकि जो सर्वनाम शब्द संज्ञा से पहले लगकर विशेषण का कार्य करते हैं, वे सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

उदाहरणः-	**वह** पढ़ रही है।	सर्वनाम
	वह लड़की पढ़ रही है।	सार्वनामिक विशेषण

13. क्रिया

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. कार्य के करने या होने का बोध होता है

ख. जिसका कर्म नहीं होता

ग. सामान्य क्रिया

2. निम्नलिखित वाक्यों में से अकर्मक तथा सकर्मक क्रियाएँ छाँटिएः-

क. सो रहा है, अकर्मक क्रिया

ख. उगाता है, सकर्मक क्रिया

ग. खाया, सर्कमक क्रिया

घ. दौड़ रहा है, अकर्मक क्रिया

3. कोष्ठक में दी गई धातु का उचित क्रिया रूप बनाकर रिक्त स्थानों में भरिएः-

क. खरीदकर ख. लिखा

ग. धुलवाती घ. उड़ते

ङ. खाया

4. सही कथन के आगे (✓) तथा गलत कथन के आगे (✗) का चिह्न लगाइएः-

क. ✗ ख. ✓

ग. ✗ घ. ✗

5. निम्नलिखित से नामधातु क्रियाएँ बनाइएः-

गर्माना थपथपाना

शर्माना दोहराना

लज्जाना तुतलाना

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-

क. ऐसे शब्द जिनसे किसी काम के करने, होने या किसी स्थिति का पता चलता है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

ख. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद होते हैंः-1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया।

ग. अकर्मक क्रिया - वह क्रिया जिसके साथ कर्म का अभाव हो, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। इन क्रियाओं के व्यापार का फल कर्ता पर पड़ता है, जैसेः-बालक सोता है।

सकर्मक क्रियाः- जिस क्रिया के व्यापार का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़ता है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसेः- सौरभ ने पत्र लिखा।

घ. संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया तथा पूर्वकालिक क्रिया यौगिक क्रियाएँ कहलाती हैं।

14. काल

1. सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-

क. भूतकाल

ख. वर्तमान काल

ग. संभाव्य भविष्यत् काल

2. निम्नलिखित वाक्यों की क्रियाओं के काल और भेद का नाम लिखिएः-

	काल	भेद
क.	वर्तमान काल	अपूर्ण वर्तमान काल
ख.	भूतकाल	पूर्ण भूतकाल
ग.	भविष्यत् काल	सामान्य भविष्यत् काल
घ.	वर्तमान काल	सामान्य वर्तमान काल
ड.	वर्तमान काल	अपूर्ण वर्तमान काल
च.	भविष्यत् काल	सामान्य भविष्यत् काल
छ.	भूतकाल	आसन्न भूतकाल

3. निम्नलिखित वाक्यों का काल निर्देशानुसार बदलकर पुनः लिखिएः-

क. बादल गरज रहे हैं।

ख. इस वर्ष फसल अच्छी हो रही है।

ग. मेरा भाई परीक्षा दे रहा था।

घ. मोहित छत पर था।

ड. ईशा गृहकार्य करेगी।

च. तुम क्या करोगे?

4. **सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत वाक्यों के सामने (✗) का निशान लगाइएः-**

क. ✗ ख. ✗ ग. ✓

घ. ✗ ड. ✗

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. क्रिया के जिस रूप से कार्य होने के समय का बोध होता है, उसे क्रिया का काल कहते हैं। कार्य के समय के आधार पर क्रिया के काल के तीन भेद होते हैंः-भूतकाल, वर्तमान काल, भविष्यत् काल।

ख. क्रिया के जिस रूप से यह पता चले कि कार्य चल रहे समय में हो रहा है, उसे वर्तमान काल कहते हैं। वर्तमान काल के तीन भेद होते हैंः- सामान्य वर्तमान काल, अपूर्ण वर्तमानकाल, संदिग्ध वर्तमान काल।

ग. भूतकाल के छह भेद होते हैंः- सामान्य भूतकाल, आसन्न भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल, हेतुहेतुमद् भूतकाल।

घ. क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि कार्य आने वाले समय में होगा, वह भविष्यत् काल कहलाता है।

भविष्यत् काल के दो भेद हैंः- सामान्य भविष्यत् काल, संभाव्य भविष्यत् काल।

15. अविकारी शब्द (अव्यय)

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. कालवाचक क्रियाविशेषण ख. समुच्चयबोधक

2. **उचित विस्मयादिबोधक अव्ययों से रिक्त स्थान भरिएः-**

क. हाय! ख. वाह!

ग. अहा! घ. आहा!

ड. हाय! च. अरे!

3. **निम्नलिखित शब्दों को उचित शीर्षक के नीचे लिखिएः-**

रीतिवाचक क्रियाविशेषण - जल्दी-जल्दी,धीरे,सुखपूर्वक,अवश्य,शीघ्र

कालवाचक क्रियाविशेषण - आज, बाहर, परसों,रातभर

स्थानवाचक क्रियाविशेषण - जिधर, नीचे, इधर-उधर,दूर,

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण - कम, पर्याप्त, थोड़ा,उतना,अधिक, तनिक

4. **निम्नलिखित वाक्यों में से संबंधबोधक अव्यय छाँटकर लिखिएः-**

क. के पीछे ख. के साथ

ग. बिना घ. के अंदर

ड. के ऊपर

5. **उचित समुच्चयबोधक शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

क. कि ख. या

ग. तो घ. और

ड. इसलिए

6. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. जिन शब्दों का रूप नहीं बदलता अर्थात जिनमें लिंग, वचन, कारक, काल आदि के कारण कोई विकार या परिवर्तन नहीं होता, उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।

ख. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रियाविशेषण कहते हैं।

ग. जिन अव्यय शब्दों से संज्ञा व सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से जाना जाए, उन्हें संबंधबोधक अव्यय कहते हैं।

घ. जो अविकारी शब्द दो वाक्यों, शब्दों, वाक्यांशों को जोड़ने का काम करते हैं, उन्हें समुच्चयबोधक कहते हैं।

ड. जो शब्द आश्चर्य, हर्ष, शोक, विस्मय, दुःख, लज्जा, ग्लानि

घृणा आदि भावों को व्यक्त करते हैं उन्हें विस्मयादिबोधक अव्यय कहते हैं।

16. वाक्य

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. वाक्य   ख. दो

ग. आठ

2. **निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय छाँटिएः-**

क. सैनिक,	सीमा पर देश की रक्षा करते हैं।
ख. मोहन,	ने मेरी पुस्तक लौटा दी।
ग. मनुष्य,	ने सोने के आभूषण बनाए।
घ. परिश्रमी छात्र,	अवश्य सफल होते हैं।
ड. कवि सूरदास,	कृष्ण के भक्त थे।

3. **रचना के आधार पर निम्न वाक्यों के भेद का नाम लिखिएः-**

क. सरल वाक्य   ख. संयुक्त वाक्य

ग. संयुक्त वाक्य   घ. मिश्रित वाक्य

4. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. सार्थक शब्दों के व्यवस्थित समूह को जिसमें पूर्ण अर्थ देने की शक्ति होती है, उसे वाक्य कहते हैं।

ख. उद्देश्यः-वाक्य का वह अंग जिसके बारे में कुछ कहा जाता है, 'उद्देश्य' कहलाता है।

विधेयः-उद्देश्य के बारे में जो कुछ कहा जाए, वह 'विधेय' कहलाता है।

उदाहरणः-

उद्देश्य	विधेय
किसान	खेत जोत रहा है।
मोर	भारत का राष्ट्रीय पक्षी है।

ग. रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैंः-सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, मिश्रित वाक्य।

घ. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रकार हैंः-विधानवाचक वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य, निषेधवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य, आज्ञावाचक वाक्य, संदेहवाचक वाक्य, इच्छावाचक वाक्य और विस्मयादिवाचक वाक्य।

17. विराम-चिह्न

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए-**

क. ? ख. पूर्ण विराम

ग. , घ. विस्मय प्रकट करने के लिए

ङ. लाघव चिह्न

2. **उचित विराम-चिह्न लगाकर वाक्य पुनः लिखिएः-**

क. हे प्रभु! मेरे परिवार की रक्षा करना।

ख. 'रामचरितमानस' की रचना तुलसीदास ने की।

ग. चंद्रशेखर आजाद ने कहा था, "हम आजाद हैं, हम आजाद ही रहेंगे।"

घ. 'रामधारी सिंह दिनकर' एक प्रतिष्ठित कवि थे।

ङ. गांधीजी नहीं रहे, वे तो अमर हो गए।

च. बाहर कौन खड़ा है?

छ. जीवन में सुख-दुख, अच्छा-बुरा तो आता ही रहेगा।

ज. वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।

झ. मनोज, विजय, लता, सोहन और रवि आए हैं।

ञ. आधी रात होते ही; कविता ने पढ़ना बंद कर दिया।

3. **उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः-**

क. विराम ख. उद्धरण ग. समान

घ. अर्द्धविराम ङ. कोष्ठक

4. **नीचे दिए विराम-चिह्नों के नाम लिखिएः-**

!	विस्मयसूचक चिह्न	()	कोष्ठक चिह्न
।	पूर्ण विराम	०	लाघव चिह्न
?	प्रश्न सूचक चिह्न	,	अल्पविराम
“ ”	उद्धरण चिह्न	;	अर्द्ध विराम
ः	उपविराम	ः-	निर्देशक चिह्न

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः-**

क. लिखते समय वाक्य के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए जो चिह्न लगाए जाते हैं, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

ख. वाक्य में जहाँ अल्पविराम की अपेक्षा कुछ अधिक देर तक ठहरना हो, वहाँ अर्द्ध विराम-चिह्न लगाया जाता है, उदाहरणः- सूर्योदय हो गया; अंधकार लुप्त हो गया।

ग. वाक्य में प्रश्न पूछने के बाद सदैव प्रश्नसूचक चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

18. शब्द-भंडार

1. **निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिएः-**

सूर्य	-	रवि	दिनकर	दिनेश
बादल	-	मेघ	जलद	घन
राजा	-	नृप	नरेश	भूप
नदी	-	सरिता	तटिनी	जलमाला
धरती	-	पृथ्वी	धरा	भूमि
ईश्वर	-	भगवान	प्रभु	परमात्मा
अमृत	-	पीयूष	सुधा	सोम
पृथ्वी	-	धरती	भूमि	धरा

पुत्र	- बेटा	वत्स	सुत
हवा	- वायु	पवन	समीर

2. **निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों से कीजिएः-**

क. अधर्म	ख. आदि
ग. लाभ	घ. कठोर
ड. निरादर	च. विरोध

3. **निम्नलिखित शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिएः-**

क. सर्वव्यापक	ख. निष्पक्ष
ग. सहपाठी	घ. प्रत्यक्ष
ड. आलोचक	च. निस्संदेह
छ. पठनीय	ज. स्थलचर
झ. नास्तिक	ञ. शतक

4. **निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थक शब्द लिखिएः-**

अंक - गोद	गिनती के अंक	नाटक के अंक
दल - समूह	पत्ता	सेना
पत्र - पत्ता	चिट्‌ठी	पंख
अक्षर - शेषनाग	विष्णु	वर्ण
कुल - योग	वंश	पक्षियों की आवाज
उत्तर - जवाब	उत्तर दिशा	श्रेष्ठ

5. **दिए गए श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों के अर्थ लिखिएः-**

क. अन्न - अनाज	अन्य - कोई और, दूसरा
ख. भवन - इमारत	भुवन - लोक
ग. समान - बराबर	सामान - वस्तुएँ
घ. भाग्य - किस्मत	भाग - हिस्सा
ड. गृह - घर	ग्रह - नक्षत्र
च. अवधि - समय	अवधी - अवध की भाषा

6. निम्नलिखित एकार्थक शब्दों के अर्थ लिखकर उनके वाक्य बनाइएः-

क. अमूल्य-(अनमोल)-मैंने तुम्हारा बहुत-सा अमूल्य समय ले लिया।

बहुमूल्य-(बहुत कीमती)-मेरी माँ ने बहुमूल्य हार खरीदा।

ख. आज्ञा-(बड़ों का छोटों को निर्देश)-हमें बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।

आदेश-(किसी अधिकारी द्वारा निर्देश)-मुझे अध्यापक द्वारा चुप रहने का आदेश दिया गया।

ग. गहरा-(जिसकी थाह बहुत नीचे से)-हमारे गांव का कुँआ बहुत गहरा है।

घना-(जो पास-पास हो)-घने जंगलों में शिकारी शिकार करते पकड़े गए।

घ. सूचना-(भविष्य के लिए कोई बात बताना)-हमें रेलगाड़ी का समय बदल जाने की सूचना दे दी गई।

संदेश-(समाचार, खबर)-मैंने अपने मित्र को अपने घर आने का संदेश भिजवाया।

ड. अस्त्र-(फेंककर चलाने वाला हथियार)-तलवार एक अच्छा अस्त्र है।

शस्त्र-(हथियार, औजार)-बंदूक एक उपयोगी शस्त्र है।

19. अशुद्ध वाक्यों का संशोधन

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखिएः-

क. मुझे एक गरम चाय का प्याला दो।

ख. मुझे मत मारो।

ग. मैं नई कमीज पहनूँगा।

घ. हमें भी मिठाई खिलवाओ।

ड. उसने बच्चे को रुलाया।

च. शीला बच्चों के साथ खेल रही है।

छ. मेले में बहुत भीड़ होती है।

ज. मेरी माता जी आयी हैं।

झ. दादी रोज़ रामायण पढ़ती हैं।

य. आप भैंस का ताजा दूध पीजिए।

20. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

1. **सही विकल्प पर सही '✓' का चिह्न लगाइए** -

क. मूर्ख बनाना

ख. अपनी अयोग्यता का दोष दूसरों को देना

2. **निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए -**

क. अक्ल का दुश्मन-(मूर्ख होना)-रावण अक्ल का दुश्मन था जो सीता जी का हरण किया।

ख. एक और एक ग्यारह होना-(एकता में शक्ति होना)-अजय और विजय दोनों भाई एक और एक ग्यारह होकर ही काम करते हैं।

ग. कमर कसना-(किसी काम के लिए तैयार होना)-भारतीय क्रिकेट टीम ने इस साल विश्व कप जीतने के लिए कमर कस ली है।

घ. उल्टी गंगा बहाना-(प्रतिकूल कार्य करना)-विनोद किसी की मदद कर दे तो समझ लो कि उल्टी गंगा बहा दी।

ड. खून-पसीना एक करना-(मेहनत करना)-राम ने दसवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए खून-पसीना एक कर दिया।

च. कलेजे का टुकड़ा-(बहुत प्यारा होना)-मेरी बहन मेरे कलेजे का टुकड़ा है।

छ. गला भर आना-(भावुक हो जाना)-अपनी बीमार दादी जी को देखकर रवि का गला भर आया।

3. **निम्नलिखित लोकोक्तियों को उनके अर्थ से मिलाइएः-**

क. स्वयं मुसीबत मोल लेना

ख. किए का फल भोगना पड़ता है।

ग. आपस की फूट से नाश होता है।

घ. वस्तुएँ कम, माँगने वाले अधिक।

ङ. बिलकुल अनपढ़ होना।

4. **निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग कीजिएः-**

क. संकट में पड़े को थोड़ी मदद- आग में सारी दुकान जल जाने पर बीमा की रकम मिल जाने पर अजय को ऐसा लगा जैसे डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो।

ख. दुगुना लाभ - रमेश ने पुराना मकान तोड़कर उसी की ईंटों से नया मकान बनवा लिया। इसी को कहते हैं - आम के आम गुठलियों के दाम।

ग. स्वयं अपराधी होकर दूसरे को दोषी कहना - शिवम ने विद्यालय में अपनी पुस्तक स्वयं खो दी और उसने रजत को दोषी बना दिया। इसे कहते हैं - उल्टा चोर कोतवाल को डाँटें।

घ. अधिक परिश्रम किंतु लाभ कम - लता ने रात-दिन लगकर परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए परिश्रम किया परंतु तृतीय स्थान ही ग्रहण कर पायी। यह तो वही हो गया कि खोदा पहाड़ निकली चुहिया।

ङ. जानबूझकर अपने लिए मुसीबत खड़ी करना-रवीना ने अपनी झगड़ालू पड़ोसिन से लड़ाई करके अपने लिए मुसीबत मोल ले ली। इसे कहते हैं - आ बैल मुझे मार।